

# NAV BHARAT JAGRITI KENDRA



# नव भारत जागृति केन्द्र

## Newsletter



## सूचनापत्र

October - December 2020

www.nbjk.org

अक्टूबर - दिसम्बर 2020

### NBJK's Journey of 50 Years!!

NBJK is completing 50 years in the field of development. It mostly worked on grass root and has been associated closely with common people like dalits, tribals, women, farmers, persons with disabilities etc. It always put effort to understand their problems deeply and to explore the ways to resolve the problems.

NBJK puts its best to use local technology and materials by utilizing community's knowledge for centuries, because the villagers are more practical and knowledgeable as they live the problem. NBJK has tried to get maximum output with minimum expenditure e.g. it constructed irrigation wells with local materials and beneficiaries' support just in half of the amount allocated in Govt. budgets. This happens when the demand comes from the beneficiaries who need such things.

NBJK's learning says that "Development" should not be done in tight compartment & imposed by the Donor. This means that we should not design a generalized scheme and budget for a work for every geographical area and types of communities. Discretion must be given to the local implementing agency or person carrying the implementation to take decision at local level with respect to activity and budget. But most of the donor agencies and the governments miss this concept. Also, "Development" and "Relief" are quite different things. Relief works can be done during natural calamities. This support may also be given to old people, differently abled persons and sick persons. Besides this, "Free" distribution of money or commodity can make the people lazy and dependent. "Development" means to make a person self-dependent and active. One should get livelihood with own efforts and with dignity. Mostly the activities should be carried out by beneficiaries themselves and they should contribute monetarily also.

On the basis of NBJK's work experience, it can be said that- • Support to individual schemes delivers better result than community schemes. • Monetary contribution is must by individuals or community, for any activity • Agriculture and small irrigation schemes deliver better output and are sustainable. • Most of the money should go for direct activities of the people. • Social activities like removing superstition, ban on liquor, social & religious harmony, intercaste/ interreligious marriage should also be carried out simultaneously.

NBJK always worked in network of like minded NGOs and activist. This initiative has made over 100 NGOs in Bihar & Jharkhand to get established and doing a good development works in their localities besides having joint program of advocacy & policy changes. Generally NGOs become donor-dependent. NBJK tried to make a balance between grant and raising local resources. At present about 60% of its annual budget comes from local resources/ like Hospitals, Schools etc.

The second-line leadership is equally important for any NGO. NBJK has been lucky to get such second-line leadership. It has been working since last 50 years and is fully assured that the second leadership would take the organization for next 50 years.

(Based upon Founders' Note in the booklet "Inspiring Journey of Five Decades" by Mr. Bharat Dogra)

### एनबीजेके: सफर के 50 वर्ष!

विकास के क्षेत्र में एनबीजेके के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं. इसने अधिकतर सरजमीन पर ही काम किया है और जनसामान्य जैसे दलित, आदिवासी, महिला, किसान, दिव्यांग लोगों के साथ इसका गहरा जुड़ाव रहा है. इसने हमेशा उनकी समस्याओं को शिद्द से समझने की कोशिश किया ताकि समाधान का रास्ता निकल सके. संस्था ने समुदाय के सदियों पुराने ज्ञान का उपयोग करते हुए स्थानीय तकनीक और सामग्रियों के इस्तेमाल का बेहतर प्रयास किया है, क्योंकि अपनी समस्याओं को जीते हुए गांव के लोग अधिक व्यावहारिक और बुद्धिमान होते हैं. एनबीजेके ने कोशिश किया है कि कम से कम खर्च में अधिकाधिक परिणाम प्राप्त हों, उदाहरणार्थ इसने स्थानीय सामग्रियों के उपयोग और लामुकों के सहयोग से सरकारी बजट के बिलकुल आधे खर्च में सिंचाई के कूप बनवाये. ऐसा तब होता है जबकि लामुकों की ओर से मांग होती है, जिन्हें उन चीजों की आवश्यकता वस्तुतः है.

एनबीजेके की सीख बतलाती है कि एक तंग दायरे में और दाताओं की ओर से थोपे जाने के अंदाज में "विकास" का काम नहीं होना चाहिए. इसका मतलब है कि हरेक भौगोलिक क्षेत्र और समुदाय के बीच किसी खास विकास कार्य हेतु हमें एक सामान्यीकृत योजना और बजट डिजाइन नहीं करना चाहिए. बल्कि स्थानीय क्रियान्वयन एजेंसी अथवा व्यक्ति को बजट और गतिविधि संबंधी निर्णय लेने का विवेकाधिकार अवश्य मिले. लेकिन अधिकतर दाता संस्थाएं और सरकारें इस अवधारणा को समझने में असफल रही हैं. यह भी कि "विकास" और "राहत" दो अलग-अलग बातें हैं. प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य चलाये जा सकते हैं. इस प्रकार का सहयोग वृद्ध लोगों, दिव्यांगों और बीमार व्यक्तियों को भी दिया जा सकता है. लेकिन ऐसी परिस्थितियों के अलावा पैसा अथवा उपयोगी वस्तुओं का मुफ्त वितरण लोगों को आलसी और परावलंबी बना सकता है. "विकास" का अर्थ है किसी व्यक्ति का स्वावलंबी और सक्रिय बनना, जैसे यदि कोई व्यक्ति अपने प्रयासों से गरिमा के साथ आजीविका हासिल



करता हो. इसमें अधिकांश गतिविधियां खुद लामुकों द्वारा चलायी जानी चाहिए और उनकी ओर से आर्थिक योगदान भी आना चाहिए. एनबीजेके के कार्यानुभव के आधार पर कहा जा सकता है कि : •सामुदायिक योजनाओं की तुलना में व्यक्तिगत योजनाओं में सहयोग का परिणाम बेहतर आता है. •किसी भी गतिविधि के लिए व्यक्ति अथवा समुदाय के स्तर से आर्थिक योगदान जरूरी है. •कृषि और लघु सिंचाई योजनाएं बेहतर परिणाम देती हैं और उनके प्रभाव में स्थायित्व होता है. •अधिकांश धन राशि लोगों की प्रत्यक्ष गतिविधियों हेतु व्यय किया जाना चाहिए. •विकास कार्यों के साथ-साथ अंधविश्वास उन्मूलन, शराबबंदी, सामाजिक-धार्मिक समरसता, अंतरजातीय/अंतरधार्मिक विवाहों को प्रोत्साहन जैसी सामाजिक गतिविधियां भी चलनी चाहिए.

एनबीजेके ने हमेशा से समान विचारधारा वाली संस्थाओं और सक्रिय समाजसेवियों के नेटवर्क में काम किया है. इस पहल ने बिहार और झारखंड में 100 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं की स्थापना, सुव्यवस्था में मदद किया और वो अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में जनकालत-नीतियों में बदलाव संबंधी संयुक्त कार्यक्रम के अलावा अन्य विकासपरक कार्यों को बेहतर तरीके से अंजाम दे रही हैं.

सामान्य तौर पर संस्थाएं दाताओं पर निर्भर हो जाती हैं. एनबीजेके ने प्रयास किया है कि अनुदान और स्थानीय संसाधन संग्रह में एक संतुलन बना रहे. वर्तमान में इसके वार्षिक बजट का लगभग 60% हिस्सा स्थानीय संसाधनों/ अस्पताल, स्कूल आदि से आता है.

किसी भी स्वयंसेवी संस्था के लिए नेतृत्व की द्वितीय पंक्ति का तैयार होना भी एक मायने रखता है. एनबीजेके भाग्यशाली है कि यहाँ नेतृत्व की दूसरी पीढ़ी तैयार है. संस्था पिछले 50 वर्षों से काम कर रही है और विश्वास है कि दूसरी पंक्ति का नेतृत्व इसे अगले 50 वर्षों तक ले जाएगा. (श्री भारत डोगरा लिखित पुस्तिका "इंस्पिरिंग जर्नी ऑफ फाइव डेकेड्स" में फाउंडर्स नोट पर आधारित)

### Meeting on "Mahatma Gandhi: A Great Human"

02 Oct'20, Amritnagar (Hazaribag): On 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi, a meeting as "Mahatma Gandhi: A Great Human" held at NBJK and many social workers, journalists, village women have participated in the program. Mr. Girija Satish (President, NBJK & National Lok Samiti) said that Gandhiji used to treat small or big things as equally important, opposed untouchability, superstition, liquor as well as made naturopathy, vegetarianism, gender equality, respect to all religions, Sarvodaya, non-violence, truth, economic doctrine of trusteeship important and equipped our freedom movement differently by resisting British rule but not the Britishers. Dr. Vishwanath Azad talked about Kasturba for her contribution to transform Gandhi as Mahatma. Dr. Zafrullah Sadique and Mr. Bateshwar Mehta have remembered Gandhiji's austerity & other life values. Mr. Murari Singh informed about Gandhian influence as ban upon sacrificial system in a local village-Pabra while Mr. Umesh Pratap emphasized over Gandhi's truthfulness with spirit of fruitless service. Mr. Gautam S. Rana insisted to interconnect economics and human development. Mr. Krishna Kumar Saha (OIC-WPS) mentioned about proper guidance as a tool to control our internal unrest. Mr. Swarup Chand Jain was on chair and demanded for complete ban upon liquor. Before this, Mr. Girija Satish & others have garlanded the statues of Mahatma Gandhi and late Lal Bahadur Shastri at Kumhartoli, Indrapuri Chowk and Jheel areas of Hazaribagh town.



### "महात्मा गांधी एक महामानव" संगोष्ठी

02 अक्टूबर'20, अमृतनगर (हजारीबाग): एनबीजेके में "महात्मा गांधी एक महामानव" विषय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार और ग्रामीण महिलाएं शामिल थीं। श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, एनबीजेके व राष्ट्रीय लोक समिति) ने कहा कि गांधीजी के लिए छोटी-बड़ी बातों का समान महत्त्व था और उन्होंने अस्पृश्यता, अंधविश्वास, शराब का विरोध करने के साथ प्राकृतिक चिकित्सा, शाकाहार,

लैंगिक समानता, सभी धर्मों को सम्मान, सर्वोदय, अहिंसा, सत्य और ट्रस्टीशिप के आर्थिक सिद्धांत जैसे विषयों को प्रभावशाली बनाते हुए अंगरेजों का नहीं बल्कि अंगरेजी शासन का विरोध कर स्वतंत्रता आन्दोलन को नयी दिशा दिया. डॉ० विश्वनाथ आजाद ने कहा कि गांधीजी को महात्मा बनाने में उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी का काफ़ी योगदान रहा है. डॉ० जफरुल्लाह सादिक और श्री बटेश्वर मेहता ने महात्मा गांधी की मितव्ययिता व अन्य जीवन मूल्यों को याद किया. श्री मुरारी सिंह ने स्थानीय पबरा गांव में पशु बलि प्रथा निषेध के पीछे गांधीवादी प्रभाव का जिक्र किया और श्री उमेश प्रताप ने गांधीजी में सच्चाई संग निष्काम सेवा भाव पर प्रकाश डाला. श्री गौतम एस. राणा ने आर्थिक विकास को मानव विकास के साथ जोड़ने की सलाह दिया. श्री

कृष्ण कुमार साहा (प्रभारी, महिला थाना) ने कहा कि सामान्य लोगों को मानसिक शांति हेतु सही मार्गदर्शन की जरूरत होती है. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री स्वरूप चंद जैन ने शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग किया. आयोजन पूर्व श्री गिरिजा सतीश एवं अन्य ने कुम्हारटोली, इन्द्रपुरी चौक और केन्द्रीय जेल के निकट महात्मा गांधी और स्व० लालबहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया था.

### जेपी जयंती पर विचार गोष्ठी

11 अक्टूबर'20, हजारीबाग: गांधी आश्रम, पारनाला (कुम्हारटोली) के निकट जेपी स्मृति स्थल पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण के 118वें जन्म दिवस समारोह का आयोजन उनके अनुयायियों ने किया. इस अवसर पर उनकी तस्वीर को फूल मालाओं से सम्मानित करते हुए एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश कर रहे थे. उन्होंने जेपी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए नयी पीढ़ी में महापुरुषों पर जानकारी की कमी को चिंताजनक बताया और स्कूली पाठ्यक्रम में समुचित बदलाव का सुझाव दिया. उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियां अथवा सरकारें आम तौर पर यथास्थितिवाद की समर्थक होती हैं और गांधी-विनोबा-जेपी जैसे सामाजिक, राजनीतिक विचारक ही असल बदलाव लाते हैं. श्री गिरिजा सतीश ने धर्म और परंपरा के नाम पर जारी सामाजिक कुरीतियों से छुटकारा पाने की अपील किया. श्री स्वरूपचंद जैन ने जेपी को एक अद्भुत व्यक्तित्व का धनी मानते हुए कहा कि उनका जीवन त्याग और तपस्या से भरा था. सर्वश्री कृष्णा राम, शंकर राणा, सत्येन्द्र कुमार, राहुल कुमार, सोनाली प्रभा, पिंकी कुमारी, रोहित सोनी, राहुल शेखर और सत्येन्द्र सोनी शामिल थे. आश्रम परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम समाप्त हो गया.



### बि.प्र.लो.स. अध्यक्ष श्री विजय कुमार का निधन, शोकसभा

13 अक्टूबर'20, अमृतनगर (हजारीबाग): बिहार प्रदेश लोक समिति के अध्यक्ष श्री विजय कुमार के अचानक देहांत की खबर से मर्माहत हजारीबाग जिला लोक समिति द्वारा एक शोकसभा का आयोजन कर स्वर्गीय विजय कुमार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी. लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने जानकारी दिया कि 12 अक्टूबर की शाम में सारण जिला के जलालपुर स्थित गांधी सेवा आश्रम में 84 वर्षीय विजय बाबू का हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया.

उन्होंने कहा कि आप विनोबा, जेपी और आचार्य राममूर्ति के साथ काम कर चुके थे और विगत सात वर्षों से बिहार प्रदेश लोक समिति के अध्यक्ष पद पर सक्रिय योगदान दे रहे थे. श्री गिरिजा सतीश ने उन्हें जमीनी स्तर का सामाजिक कार्यकर्ता बतलाते हुए क्षेत्र में उनकी पकड़ और अच्छी छवि का उल्लेख किया और कहा कि उनके देहावसान से संगठन को अपूरणीय क्षति पहुंची है. जिला लोक समिति के संस्थापक सदस्य श्री प्रभुनाथ शर्मा ने उनके प्रशंसनीय व्यक्तित्व को अनुकरण योग्य माना. झारखंड प्रदेश लोक समिति के संयोजक श्री शंकर राणा ने कहा कि विजय बाबू के सादगी



भरे जीवन, देश-समाज के प्रति उनकी चिंता और समर्पण से हम सबको सदा प्रेरणा मिलेगी. शोकसभा में शामिल लोगों में सर्वश्री सतीश गिरिजा (अध्यक्ष, झा.प्र. लो.स.), गंधर्व गौरव, आनंद अभिनव, अभय कुमार, निकी सोरेन, अरुण वर्मा, मिथिलेश कुमार, प्रवेश सिंह, पवनलाल गुप्ता, राजकुमार, सुदीप आदि प्रमुख थे. कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर शांति प्रार्थना की गयी.

### Symposium on 118th Birth Anniversary of JP

11 Oct'20, Hazaribag: The followers of Loknayak Jay Prakash Narayan have celebrated his 118th birth anniversary at JP Memorial place near Gandhi Ashrama, Parnala (Kumhartoli) and paid him their rich tribute. They garlanded the photograph of JP and organized a meeting on this occasion. Mr. Girija Satish (National President, Lok Samiti) expressed deep concern over ignorance for great persons among new generation and suggested for modifications in school syllabus. He said that generally political parties or governments support status quo but socio-political thinkers like Gandhi-Vinoba-JP bring real changes. He appealed the people to get rid of social evils in the name of religion & tradition. Mr. Swaroop Chand Jain described JP as a magnificent personality who led a life full of renunciation & austerity. Mr. Krishna Ram, Mr. Shankar Rana, Mr. Satyendra Kumar, Mr. Rahul Kumar, Ms Sonali Prabha, Ms Pinki Kumari, Mr. Rohit Sony, Mr. Rahul Shekhar and Mr. Satyendra Sony have addressed the meeting. At the end, all participants have offered flowers to the statue of Mahatma Gandhi inside the Ashrama.

### BLSL President Shri Vijay Kumar Passes Away, Condolence Meeting Held

13 Oct'20, Amrit Nagar (Hazaribag): Hazaribag District Lok Samiti organized a condolence meeting after getting the news on sad demise of Shri Vijay Kumar (President, Bihar State Lok Samiti) and paid him rich tribute. Shri Girija Satish (National President, Lok Samiti) informed that in evening of 12 October at Gandhi Seva Ashrama, Jalalpur (Dist-Saran, Bihar); 84 years old Vijay Babu met a cardiac arrest and couldn't be saved. He said that late Vijay Babu worked with Vinoba, JP, Acharya Ram Murti and contributed to Lok Samiti as the president of its Bihar Unit since last seven years. He was a grass root social worker whose passing away is a huge loss to the organization, Shri Girija Satish expressed his grief. Shri Prabhu Nath Sharma (Founder Member, Hazaribag District Lok Samiti) appreciated the Lok Samiti leader for his exemplary personality. Shri Shankar Rana (Coordinator, JSLS) talked about late Vijay Babu's simple life dedicated to the nation. Also Shri Satish Girija (President, JSLS), Shri Gandharv Gaurav, Shri Anand Abhinav, Shri Abhay Kumar, Sushri Niki Soren, Shri Arun Verma, Shri Mithilesh Kumar, Shri Prawesh Singh, Shri Pawan Lal Gupta and others have participated in the condolence meeting. All have observed two minutes silence to pray peace for the departed soul.

## SBI Gram Seva Project Handover Ceremony

02 Oct'20, Chakai & Deoghar: SBI Foundation, Mumbai supported SBI Gram Seva project by NBJK ended in Chakai-Deoghar blocks of Jamui (Bihar) and Deoghar (Jharkhand) districts. Its duration was from Oct'17 to Sep'20 with coverage of 5 villages in each block and all created assets have been transferred to community on the day. In his video message, Mr. Girija Satish (President, NBJK) introduced NBJK and said about holistic approach of SBI Gram Seva with livelihood training, irrigation facility, support to farmers by resources-training and safe drinking water. The villages have access to computers & internet facility. There are Remedial Coaching Centers for school children and required facilities have been provided to schools, aanganbadi & health centers, he said. The project ensured people's participation with execution through Village Development Committees in each village and many govt. schemes reached there. Mr. Girija called the project as a model for rural development and praised SBIF officials for support. He appealed the policy makers to focus upon agriculture development & irrigation as farm sector can generate maximum livelihood in villages. Also Mrs. Manjula Kalyansundaram (MD & CEO, SBI Foundation), Mr. Nixon Joseph (COO, SBIF), Mr. Siddalingesh (Coordinator, SBIF), Mr. Rajnish Kumar (Chairman, SBI) & other senior SBI officers have conveyed their messages on the occasion. Mr. Debojit Dutta (PM, Chakai) and Mr. Jitendra Kumar (PM, Deoghar) have dedicated the project to VDCs with MOUs in presence of the dignitaries.



## Agriculture Support to Migrant Workers Returned Home Due to COVID-19

09 Oct-12 Nov'20, Hazaribag-Dumka-Chauparan: With support of Benevity and Give India, potato/wheat seeds & fertilizers have been distributed by NBJK among migrant laborers for their sustainable livelihood and rehabilitation. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) handed over the support materials as 36 kg potato seeds, 2.5 kg DAP and 500 grams potash to each from more than 100 migrant laborers from Hazaribag Sadar block and said that we need to pay attention over agriculture for livelihood. On 10-12 Oct, 255 migrant laborers from Churchu block and on 16 October, 181 beneficiaries from Katkamdaag, Daroo blocks of Hazaribag district have received the said items. On 17-18 October, 636 beneficiaries from Dumka, Jama, Jarmundi & Kathikund blocks have got 42 kg potato seed, 2.5 kg DAP, 4 kg Urea, 500 gm Potash and a mask as each. Till 23-24 October about 2930 laborers have received such items in Dumka & Hazaribag districts. On 11-12 November in Chauparan block (Hazaribag), 100 people have received 10 kg of Wheat seed as each. The relief campaign has covered 3000 plus migrant workers in Hazaribag & Dumka districts. Likewise on 11 November at village-Silalunja (Bodhgaya), out of 300 needy persons each one was provided 5 kg Flour, 5 kg Rice, 2 kg Pulse, 1 kg Sugar, 1 kg Suji, 1 lit Mustard Oil, 1 packet Tea leaf, 1 packet Biscuit, 1 packet Turmeric powder, 1 packet Chilli powder, 1 pc Sanitary pad, 4 pcs Mask, 10 pcs Hand Sanitizer, 1 pc Soap and 10 pcs of earthen lamp with support of Finolx Industries-Pune.



## Opening of Mission Gaurav for Reverse Migrant Workers

14 Dec'20, Khunti: With support of Tata Trusts and Titan, NBJK with Murhu Nari Shakti Kisan Producer Co. Ltd. & CInI came forward to support migrant people in Murhu & Khunti blocks after their coming back to their homes during lockdown caused by COVID-19 pandemic. These organizations have started a project Mission Gaurav and enlisted 10,007 persons after a survey, to be supported. They started a help center as Apna Seva Kendra (ASK) with inauguration by Mr. Nilkanth Singh Munda (MLA from Khunti & Chairman of Lok Lekha Samiti, JVS) who emphasized over collective effort that made women more empowered and works behind proper realization of Govt. schemes. Mr. Girija Satish (ED, NBJK) said about 30 years long work experience of NBJK in Khunti when vegetable cultivation was not in practice by farmers here, now they do it in almost every village because of organization's positive endeavor. Also he briefed about the collective attempt for market availability to local farmers. Mr. Somnath Das (Coordinator- CInI) put details about Mission Gaurav which will guide and link the migrant workers/poor people to Govt. schemes as well as their skill development and proper coordination between villages & block will be kept under consideration. The inaugural function was contributed by Mr. Mohit Purty (Manager, NBJK-Khunti), Mrs. Dayamani Nag (Directress-MNSKPCL), Mrs. Mithila Devi, Mr. Anil Hassa, Mr. Manohar Tuty, Mr. Deva Hassa, Mr. Ashish Tigga, Mr. Avijit Mal and others.



## एसबीआइ ग्राम सेवा परियोजना जनसुपुर्दगी समारोह

02 अक्टूबर'20, चकाई-देवघर: एसबीआइ फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से बिहार-झारखंड स्थित जमुई और देवघर जिलों के चकाई-देवघर प्रखंडों में एनबीजेके संवाचित एसबीआइ ग्राम सेवा परियोजना समाप्त हो गयी. दोनों प्रखंडों के 5-5 गांवों में क्रियान्वित परियोजना की अवधि अक्टूबर'17 से सितम्बर'20 तक थी और इसके तहत सृजित परिसंपत्तियों को स्थानीय समुदाय के हाथों सौंप दिया गया. इस अवसर पर अपने विडियो संदेश में श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, एनबीजेके) ने संस्था का संक्षिप्त परिचय देते हुए एसबीआइ ग्राम सेवा की समग्र विकास नीति में आजीविका प्रशिक्षण, सिंचाई सुविधा, किसानों को संसाधन-प्रशिक्षण और सुरक्षित पेयजल उपलब्धता की चर्चा किया. उन्होंने कहा कि आज इन गांवों में कंप्यूटर-इंटरनेट की सुविधा है, स्कूली बच्चों हेतु रिमिडिअल कोचिंग केंद्र हैं और स्कूलों-आंगनवाड़ी/स्वास्थ्य केन्द्रों में जरूरी संसाधन उपलब्ध हैं. लक्षित गांवों में ग्राम विकास समितियों के माध्यम से क्रियान्वित इस परियोजना में लाभुकों की भागीदारी रही है और अनेक सरकारी योजनाओं का लाभ भी उन्हें मिल रहा है. श्री गिरिजा ने इस परियोजना को ग्रामीण विकास का एक मॉडल बताया और एसबीआइएफ अधिकारियों को सहयोग हेतु धन्यवाद दिया. उन्होंने नीति निर्माताओं से कृषि विकास और सिंचाई व्यवस्था पर ध्यान देने की अपील किया क्योंकि कृषि सेक्टर से गांवों में आजीविका सृजन की सर्वाधिक संभावना है. मौके पर श्रीमती मंजुला कल्याणसुन्दरम (एमडी व सीओ, एसबीआइएफ), श्री निक्सन जोसेफ (सीओओ, एसबीआइएफ), श्री सिद्दालिंगेश (कोऑर्डिनेटर, एसबीआइएफ), श्री रजनीश कुमार (चेयरमैन, एसबीआइएफ) एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी शुभकामना संदेश भेजे. चकाई और देवघर में स्थानीय परियोजना प्रबंधकों श्री देबोजित दत्ता और श्री जितेंद्र कुमार ने अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति में ग्रा. वि.समितियों को एमओयू के साथ परियोजना का हस्तांतरण किया.

## कोविड-19 के कारण घर लौटे प्रवासी कामगारों को कृषि सहायता

09 अक्टूबर-12 नवम्बर'20, हजारीबाग-दुमका-चौपारण-बोधगया: कोविड-19 महामारी की वजह से घर लौटे प्रवासी कामगारों को उनकी सतत आजीविका और पुनर्वास हेतु एनबीजेके ने बेनेविटी-गिव इंडिया के सहयोग से बतौर कृषि सहायता आलू/गेहूं बीज और उर्वरक उपलब्ध करवाया. श्री सतीश गिरिजा (सचिव, एनबीजेके) ने हजारीबाग सदर प्रखंड के 100 से अधिक प्रवासी कामगारों को प्रति व्यक्ति 36 किलो आलू बीज, 2.5 किलो डीएपी और 500 ग्राम पोटोटाश प्रदान करते हुए कहा कि गांवों में आजीविका प्रोत्साहन को लेकर हमें कृषि सेक्टर पर अधिक ध्यान देना होगा. 10-12 अक्टूबर को हजारीबाग जिला अंतर्गत चुरचूर प्रखंड के 255 प्रवासी मजदूरों और 16 अक्टूबर को कटकमदाग, दारू प्रखंडों के 181 कामगारों को उक्त सामग्रियां मिलीं. 17-18 अक्टूबर को दुमका जिला के दुमका, जामा, जरमुंडी और काठीकुंड प्रखंडों से 636 प्रवासी मजदूरों को प्रति व्यक्ति 42 किलो आलू बीज, 2.5 किलो डीएपी, 4 किलो यूरिया, 500 ग्राम पोटोटाश और 01 मास्क प्रदान किया गया. 23-24 अक्टूबर तक दुमका और हजारीबाग जिलों में लगभग 2930 मजदूरों को यह लाभ मिला. 11-12 नवम्बर को हजारीबाग जिला के चौपारण प्रखंड में 100 श्रमिकों को प्रति श्रमिक 10 किलो गेहूं बीज प्राप्त हुआ और इस राहत अभियान से हजारीबाग-दुमका जिलों के 3000 से ज्यादा प्रवासी कामगारों को मदद मिली. इसी प्रकार 11 नवम्बर को गया जिला के सिलौंजा गांव (बोधगया प्रखंड) में 300 जरूरतमंद लोगों के बीच फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज-पुणे के सहयोग से प्रति लाभुक 5 किलो आटा, 5 किलो चावल, 2 किलो दाल, 1 किलो चीनी, 1 किलो सूजी, 1 लीटर सरसों तेल, 1 पैकेट चाय पत्ती, 1 पैकेट बिस्कुट, 1 पैकेट हल्दी पाउडर, 1 पैकेट मिर्च पाउडर, 1 नग सेनेटरी पैड, 4 नग मास्क, 10 नग हैंड सैनिटाइजर, 1 नग साबुन और 10 नग मिट्टी का दीपक वितरित किया गया.

## वापस लौटे प्रवासी मजदूरों हेतु मिशन गौरव का शुभारंभ

14 दिसंबर'20, खूंटी: टाटा ट्रस्ट्स और टाइटन कंपनी के सहयोग से एनबीजेके, मुरहू नारी शक्ति किसान प्रोड्यूसर कं. लि. और सिनी ने कोविड-19 महामारी जनित लॉकडाउन के कारण खूंटी जिला के खूंटी, मुरहू प्रखंडों में बाहर से लौटकर घर आने वाले प्रवासी मजदूरों की मदद हेतु मिशन गौरव की शुरुआत किया है. इसके तहत एक सर्वेक्षण के जरिये 10,007 लोगों की पहचान की गयी है, ताकि उनके पुनर्वास की व्यवस्था हो सके. एनबीजेके और सहयोगी संस्थाओं ने लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्य से "अपना सेवा केंद्र" के नाम से एक सहायता केंद्र खोला है, जिसका उद्घाटन खूंटी के माननीय विधायक और झा.वि.स. में लोक लेखा समिति के अध्यक्ष श्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने किया. उन्होंने विकास के लिए समुदाय के सामूहिक प्रयासों पर बल दिया, जिसने महिलाओं को अधिक सशक्त बनाया है और जिसकी वजह से सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन होता है. श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, एनबीजेके) ने खूंटी जिला में एनबीजेके के 30 वर्ष लंबे कार्यानुभव की चर्चा करते हुए कहा कि पहले इस इलाके के किसान सब्जी की खेती नहीं करते थे लेकिन संस्था के सकारात्मक प्रयासों के कारण अब लगभग हर गांव में सब्जी उत्पादन होता है. उन्होंने स्थानीय किसानों हेतु बाजार उपलब्धता संबंधी सामूहिक प्रयासों का उल्लेख भी किया. श्री सोमनाथ दास (संयोजक, सिनी) ने मिशन गौरव की जानकारी देते हुए कहा कि इसमें प्रवासी कामगारों/निर्धन लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा और उनके कौशल विकास के साथ गांवों और प्रखंड के बीच समन्वय के प्रयास होंगे. उद्घाटन समारोह में श्री मोहित पूर्ति (प्रबंधक, एनबीजेके-खूंटी), श्रीमती दयामणि नाग (निदेशक, एमएनएसकेपीसीएल), श्रीमती मिथिला देवी, श्री अनिल हस्सा, श्री मनोहर टूटी, श्री देवा हस्सा, श्री आशीष तिग्गा, श्री अविजित मल एवं अन्य उपस्थित थे.

**Training of CRPCs, Clothes & Sleepers to Children, MH Awareness & AG Meeting of MNSKPCL**

22-24 Dec'20, Patna: Under NBJK run Sakcham program with support of KNH-Germany, 3 days training held for Child Rights Protection Committees associated with NFE Centers from 9 slum pockets. There were 72 participants in the training including CRPC member parents, ward councilors, teachers, project staffs and 18 children. On 26 October, the members of Inner Wheel Club-Gaya have visited NBJK run orphanage Lord Buddha Home for Children, Silaunja (Bodhgaya) and distributed clothes & sleepers among the children. On 10 October at Dumka, the organization was represented in a workshop called by DMHP-Dumka on the occasion of World Mental Health Day and a weeklong awareness campaign was launched in villages under NBJK run Community Based Inclusive Development Program for PwDs with support of CBM India. On 9 October at Murhu (Khunti), 2nd Annual General Meeting of NBJK-CInI-Tata Trusts promoted Murhu Nari Shakti Kisan Producer Co. Ltd. was organized and issues like review of last financial year, future action plan, work review of BOD etc have been discussed in presence of the Director-DRDA, DAO, BDO, BPO, RPO, DPM-JSLPS & other officers from ATMA.



**सीआरपीसी प्रशिक्षण, बच्चों को कपड़े-स्लीपर्स, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और एमएनएसकेपीसीएल की वार्षिक आम सभा बैठक**

22-24 दिसंबर'20, पटना: केएनएच-जर्मनी की सहायता से एनबीजेके के संचालित सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत 9 स्लम बस्तियों में चल रहे अनौपचारिक शिक्षण केंद्रों से जुड़े सीआरपीसी/बाल अधिकार सुरक्षा समितियों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया. इसमें शामिल कुल 72 प्रतिभागियों में सीआरपीसी से जुड़े अभिभावक, वार्ड पार्षद, शिक्षक आदि के अलावा 18 बच्चे भी थे. 26 अक्टूबर को इनर व्हील क्लब-गया के सदस्यों ने एनबीजेके के संचालित अनाथालय लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन (सिलौंजा, बोधगया) में बच्चों के बीच कपड़े और स्लीपर्स का वितरण किया. 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के मौके पर जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, दुमका द्वारा आयोजित कार्यशाला में एनबीजेके की सहभागिता रही और सीबीएम इंडिया समर्थित दिव्यांगों हेतु समुदाय आधारित समावेशी विकास कार्यक्रम अंतर्गत गांवों में एक सप्ताह का मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया गया. 9 अक्टूबर को मुरहू (खूंटी) में एनबीजेके-सिनी-टाटा ट्रस्ट्स प्रोत्साहित मुरहू नारी शक्ति किसान प्रोड्यूसर कं० लि० की दूसरी वार्षिक आम सभा बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें निदेशक-डीआरडीए, डीएओ, बीडीओ, बीपीओ, आरपीओ, डीपीएम-जेएसएलपीएस व एटीएमए के अनेक अधिकारियों की उपस्थिति में पिछले वित्तीय वर्ष का पुनरावलोकन, भावी कार्य योजना और विगत कार्यों की समीक्षा हुई.

**FLASHBACK**

**Mr. Anna Hazare Says ...**

Today I got an opportunity to visit the organization Nav Bharat Jagriti Kendra. The works being implemented in different streams like women-children development, watershed development, youth awareness, group marriage etc is a matter of pride for society & nation.

Today I and mine ... there is no vision beyond this. In this situation, the effort by service oriented workers under leadership of Satish, Girija is like foundation as lighthouse for the society. Till now crores of rupees have been spent by adopting eight five years plans but proper success is still missing. It has many reasons. But lack of people's participation is a prime cause. Whatever works the organization is doing with people's participation, will guide the government also.

The voluntary organizations bear a huge responsibility to make this country self-sufficient and self-contained. The doings of this organization will provide motivation and direction to other such VOs too, this is my assumption. Thanks to all!

(Well known Gandhian social worker of India Mr. Anna Hazare's views in NBJK visitors' book, dated 23 February 2000, Hazaribag)



**फ्लैशबैक**

**श्री अन्ना हजारे कहते हैं ...**

आज नव भारत जागृति केंद्र संस्था में आने का अवसर मिला. महिलाओं-बच्चों का विकास, वाटरशेड डेवलपमेंट, युवा जागृति, सामूहिक विवाह आदि जैसे विविध क्षेत्रों में जो काम हो रहा है, वह समाज और देश के लिए गौरव की बात है.

आज मैं और मेरा ... इसके अलावा देखने की दृष्टि नहीं रही. ऐसी स्थिति में सतीश, गिरिजा के नेतृत्व में सेवाभावी कार्यकर्ताओं की तरफ से जो कार्य हो रहा है, वह समाज के लिए दिवास्तंभ जैसे आधार हैं. आज तक आठ पंचवर्षीय योजनाएं अपनाकर करोड़ों रुपये खर्च हुए हैं लेकिन सही सफलता नहीं मिली. इसके लिए कई कारण हैं. लेकिन जन सहभागिता नहीं ली गयी, यह एक प्रमुख कारण है. इस संस्था द्वारा जन सहभागिता से जो काम हो रहा है, उससे सरकार को भी दिशा मिलेगी. इस देश को स्वावलंबी, स्वयंपूर्ण बनाने के लिये स्वयंसेवी संस्थाओं की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है. इस संस्था के कार्य से ऐसी

संस्थाओं को भी प्रेरणा और दिशा मिलेगी, ऐसी मेरी धारणा है. सभी के लिए धन्यवाद!  
(एनबीजेके आगंतुक पुस्तिका में भारत के सुप्रसिद्ध गांधीवादी समाजसेवी श्री अन्ना हजारे जी के विचार, दि० 23 फरवरी 2000, हजारीबाग)

परिकल्पना : श्री गिरिजा सतीश  
प्रस्तुति : विनय भट्ट  
नव भारत जागृति केंद्र, संयोजन कार्यालय  
ग्राम - अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित  
दूरभाष: +91 9431140385, +91 9835751159  
ई मेल: nbjkco@gmail.com; vinay.bhatta@nbjk.org